nwda.gov.in

जलवायु परिवर्तन के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन कर रहा भारत

- सीसीपीआइ 2025 रिपोर्ट में पहले तीन स्थान पर कोई देश नहीं
- सूची में दो पायदान खिसकने के बाद भी भारत शीर्ष दस में शामिल

बाकू, प्रेट्र : संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक (सीसीपीआइ 2025) रिपोर्ट जारी की गई। 60 से अधिक देशों की सूची में भारत दो स्थान नीचे खिसककर 10वें स्थान पर पहुंच गया है, लेकिन रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में भारत के बेहतरीन प्रदर्शन की प्रशंसा की गई है। कहा गया है कि भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है, लेकिन यहां प्रति व्यक्ति उत्सर्जन और ऊर्जा का उपयोग अपेक्षाकृत कम है। रिपोर्ट में पहले तीन स्थान खाली हैं। चौथे स्थान पर डेनमार्क और उसके बाद नीदरलैंड है। दो सबसे बड़े उत्सर्जक चीन और अमेरिका क्रमशः 55वें और 57वें स्थान पर बहुत नीचे बने हुए हैं।

सीसीपीआइ उत्सर्जन, नवीकरणीय ऊर्जा और जलवायु नीति के मामले में दुनिया के सबसे बड़े उत्सर्जकों की प्रगति पर नजर रखता है। यूरोपीय संघ सहित 63 देश 90 प्रतिशत वैश्विक उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार हैं। रिपोर्ट में भारत इस वर्ष 10वें स्थान पर है और सर्वोच्च प्रदर्शन करने वालों में से एक है। भारत में प्रति व्यक्ति उत्सर्जन 2.9 टन कार्बन डाइआक्साइड समतुल्य (टीसीओटूई) पर बना हुआ है, जो वैश्विक औसत 6.6 टीसीओटूई से काफी कम है। वहीं, भारत ने विकसित देशों से विकासशील देशों में जलवायु अनुकूलन के लिए अपना समर्थन बढ़ाने का आह्वान किया है। साथ ही कहा है कि चरम मौसम की घटनाओं की बढ़ती आवृत्ति गरीब देशों में लोगों के अस्तित्व को खतरे में डाल रही है। भारत ने कहा कि विकासशील दुनिया जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से असमान रूप से पीड़ित है, जो काफी हद तक विकसित देशों द्वारा ऐतिहासिक उत्सर्जन का परिणाम है।